नामांक Roll No.

No. of Questions — 13

VU—21—Hindi Sah.

No. of Printed Pages — 7

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2015

हिन्दी साहित्य

(Hindi Sahitya)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

(5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द-सीमा में ही सुपाठ्य लिखें ।

खण्ड - अ

1. निम्न पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

दक्षिणा माँग ली अनाधिकार
अंगुष्ठ माँगने का विचार,
वैसे तो पाप कर्म ही था
पर सोचो तो मैं क्या करता,
उन्नीस उसे करना ही था
लेकर कलंक मरना ही था,

अंगुष्ठ दक्षिणा में लेकर
बदले में कुछ शिक्षा देकर
कहने को है सन्तोष मुझे
पर यह कृत्रिम परितोष मुझे

जन्मों-जन्मों तड़पायेगा
नरकों-नरकों घुमवायेगा,
पर मेरी मजबूरी क्या थी
यह कोई समझ न पायेगा ।

(क) कविता का शीर्षक लिखिए । 1

(ख) ''अंगुष्ठ'' शब्द का अर्थ लिखिए । 1

(ग) द्रोणाचार्य ने क्या पाप कर्म किया ? 2

(घ) द्रोणाचार्य ने सन्तोष का अनुभव क्यों किया ? 2

(ङ) जन्मों-जन्मों तड़पायेगा,
नरकों-नरकों घुमवायेगा,
इन पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है व कैसे ? 2

2. निम्न गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द तक)

जीवन के समग्र अनुभव को प्रगाढ़ इच्छाओं के साथ संप्रेषित करने की बेचैनी भवानी प्रसाद मिश्र के कवि को आत्मालीनों, कलाविदों अथवा दार्शनिकों से पृथक् कर, मोक्ष या कलाकारों के बीच नहीं, जीवन के बीच खोलती है । उसके स्वर, भाषा, भाव-बोध-सब जीवन के अंतर्गत उपलब्ध हुए हैं : भाषा-कोश या शास्त्र की नक़ल से नहीं — जिसे कवि आधुनिक कविता की सबसे बड़ी दुश्चिंता मानता है । पत्थर पर नाम खोद देने की इच्छा इस कवि की नहीं है । यह कवि संपूर्णत: कविता के हाथों विसर्जित है — यानी संपूर्णत: जीवन के हाथों । उसके काव्य में हवा, नदी और सूर्य निरंतर प्रवाहित होने को चरितार्थ देते हैं । इतनी काव्य-पीढ़ियों से गुज़रकर ताज़े-टटके रह पाने का राज़ क्या यह नहीं है ?

मुझे ख़तरा है कि निरंतर गतिशील काव्य-चेतना और नित्य नूतन अवधारणाओं की तुलना कोई पंत के कथित पल-पल परिवर्तित वेश से न कर ले, क्योंकि पिछले तमाम काव्य-युगों और वादों के बीच मिश्र जी की प्रवाहशीलता और मुक्त संवेदनात्मक काव्य-सर्जना किसी आमंत्रित बदलाव का नहीं, जीवन की अंतर्वाही संगति और सम्यक् बदलाव का नतीजा है ।

जब वे कहते हैं कि ''मैं कविता नहीं लिखता, कविता मुझे लिखती है'' तब भी वे प्रकारांतर से इसी जीवन-प्रवाह की ओर इशारा करते हैं ।

(क) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ख) ''अंतर्वाही'' — शब्द का अर्थ लिखिए । 1

(ग) कवि भवानी प्रसाद मिश्र आधुनिक कविता की दुश्चिंता किसे मानते हैं ? 2

(घ) मिश्र जी की काव्य-सर्जना में परिवर्तन किसका परिणाम है ? 2

(ङ) ''मैं कविता नहीं लिखता, कविता मुझे लिखती है ।'' इस कथन में किसकी तरफ संकेत किया गया है ? 2

खण्ड - ब

3. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबंध लिखिए : 8

(i) राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

(ii) पर्यावरण संरक्षण : प्रदूषण नियंत्रण

(iii) बालक का बचपन बचाओ

(iv) इंटरनेट : ज्ञान की दुनिया ।

4. कार्यालय, आयुक्त माध्यमिक शिक्षा, प्रगति प्रदेश, प्रयोगपुर की ओर से राज्य के समस्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) के नाम एक कार्यालयी पत्र लिखिए जिसमें माध्यमिक से उच्च माध्यमिक विद्यालय क्रमोन्नति के मय वैकल्पिक विषयों के खोलने सम्बन्धी प्रस्तावों का उल्लेख हो । 4

अथवा

जिला शिक्षा अधिकारी, कमलनेर की ओर से जिले के समस्त उ० मा० वि० / मा० वि० के प्रधानाचार्यों / प्रधानाध्यापकों को एक पत्र लिखिए जिसमें कक्षा 10 के विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों के अध्ययन हेतु उत्कर्ष योजना (कम्प्यूटर सी० डी० द्वारा प्रश्नोत्तर विधि से) को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश हों ।

5. निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :

(क) टी० वी० खबरों के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए । 2

(ख) समाचार लेखन में छह ककारों के बारे में संक्षेप में लिखिए । 2

(ग) कविता के सारे घटक परिवेश और संदर्भ से परिचालित होते हैं, कैसे ? 2

(घ) रेडियो नाटक की अवधि और पात्र के बारे में लिखिए । 2

खण्ड - स

6. निम्न पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7

छलछल थे संध्या के श्रमकण,
आँसू-से गिरते थे प्रतिक्षण ।
मेरी यात्रा पर लेती थी —
नीरवता अनंत अँगड़ाई ।
श्रमित स्वप्न की मधुमाया में,
गहन-विपिन की तरू-छाया में,
पथिक उनींदी श्रुति में किसने-
यह विहाग की तान उठाई ।

अथवा

बानी जगरानी की उदारता बखानी जाइ
ऐसी मति उदित उदार कौन की भई ।
देवता प्रसिद्ध सिद्ध रिषिराज तपवृद्ध कहि
कहि हारे सब कहि न काहू लई ।
भावी भूत बर्तमान जगत बखानत है
'केसोदास' क्यों हू ना बखानी काहू पै गई ।
पति बर्नै चारमुख पूत बर्नै पाँचमुख
नाती बर्नै षटमुख तदपि नई नई ॥

7. निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :

(क) बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करुणा जल ।
लहरें टकराती अनंत की पाकर जहाँ किनारा ।
उपर्युक्त पंक्तियों के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । 2

(ख) गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिल्कुल बेखबर
उपर्युक्त पंक्तियों में शिल्प-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । 2

8. निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :

(क) कि अब जब आगे कोई हाथ फैलाता है
पच्चीस पैसे एक चाय या दो रोटी के लिए
तो जान लेता हूँ
मेरे सामने एक ईमानदार आदमी, औरत या बच्चा खड़ा है ।
इन पंक्तियों के प्रकाश में ''एक काम'' कविता का मर्म खोलिए । 2

(ख) ''दुख ही जीवन की कथा रही ।'' पंक्ति निराला की गहरी पीड़ा को व्यक्त करती है । इस सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त कीजिए । 2

खण्ड - द

9. निम्न गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7

साहित्य का पांचजन्य समर भूमि में उदासीनता का राग नहीं सुनाता । वह मनुष्य को भाग्य के सहारे बैठने और पिंजड़े में पंख फड़फड़ाने की प्रेरणा नहीं देता । इस तरह की प्रेरणा देने वालों के वह पंख कतर देता है । वह कायरों और पराभव-प्रेमियों को ललकारता हुआ एक बार उन्हें भी समरभूमि के लिए बुलावा देता है ।

कहा भी है — ''क्लीबानां धाष्ट्र्यजननमुत्साहः शूर मानिनाम् ।'' भरत मुनि से लेकर भारतेंदु तक चली आती हुई हमारे साहित्य की यह गौरवशाली परंपरा है । इसके सामने निरुद्देश्य कला, विकृति, काम-वासनाएँ, अहंकार और व्यक्तिवाद, निराशा और पराजय के सिद्धान्त वैसे ही नहीं ठहरते जैसे सूर्य के सामने अंधकार ।

अथवा

ज्यों-ज्यों मैं सयाना होता गया, त्यों-त्यों हिंदी के नूतन साहित्य की ओर मेरा झुकाव बढ़ता गया । क्वीन्स कालेज में पढ़ते समय स्वर्गीय बा० रामकृष्ण वर्मा मेरे पिता जी के सहपाठियों में थे । भारत जीवन प्रेस की पुस्तकें प्रायः मेरे यहाँ आया करती थीं पर अब पिता जी उन पुस्तकों को छिपाकर रखने लगे । उन्हें डर हुआ कि कहीं मेरा चित्त स्कूल की पढ़ाई से हट न जाए मैं बिगड़ न जाऊँ । उन्हीं दिनों पं० केदारनाथ जी पाठक ने एक हिंदी पुस्तकालय खोला था । मैं वहाँ से पुस्तकें ला-लाकर पढ़ा करता ।

10. निम्न में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द) $2 \times 2 = 4$

(क) ''आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से, आज का पैसा अच्छा है कल की मोहर से । आँखों देखा ढेला अच्छा ही होना चाहिए लाखों कोस की तेज पिंड से ।'' कथन का आशय — ''सुमिरिनी के मनके'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) ''मैं तो केवल निमित्त मात्र था । अरुण के पीछे सूर्य था ।'' — व्यास जी के इस कथन का आशय क्या है ? इससे उनके चरित्र की किस विशेषता का परिचय मिलता है ? ''कच्चा चिट्ठा'' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ग) ''अरे, मैं उन दिनों कितना काम कर लेता था । कभी थकता ही नहीं था ।'' इस कथन में गांधीजी की किस विशेषता का वर्णन मिलता है ? समझाइए ।

11. मलिक मुहम्मद जायसी **या** पंडित चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का साहित्यिक परिचय लगभग 100 शब्दों में लिखिए । 4

खण्ड - य

12. निम्न प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में लिखिए : $4 \times 2 = 8$

(क) ''चूल्हा ठंडा किया होता, तो दुश्मनों का कलेजा कैसे ठंडा होता ?'' इस कथन के आधार पर सूरदास की मनः स्थिति का वर्णन कीजिए ।

(ख) ''एकाएक जैसे सफेद हो गया रंगीन स्क्रीन ।'' प्रस्तुत कथन का आशय ''आरोहण'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) ''प्रकृति सजीव नारी बन गई ।'' इस कथन के संदर्भ में ''बिस्कोहर की माटी'' की प्राकृतिक छटा की विवेचना कीजिए ।

(घ) मिठुआ के प्रश्न — ''और जो कोई सौ लाख बार लगा दे ?'' का उत्तर सूरदास ने किस प्रकार दिया ? सूरदास का उत्तर किस विशेषता को दर्शाता है ?

(ङ) हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गन्दे पानी के नाले बना रही है । क्यों और कैसे ? ''अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता में'' — पाठ के आधार पर समझाइए ।

13. ''संगीत, गंध, बच्चे-बिसनाथ के लिए सबसे बड़े सेतु हैं, काल, इतिहास को पार करने के ।'' प्रस्तुत कथन के आधार पर बताइए कि बिसनाथ का संबंध गंध से किस प्रकार जुड़ा हुआ था । 6